Publication Date 01.04.2025
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 32
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

हरियाणा सहकारी प्रकाश

Haryana Sahkari Parkash

वर्ष : 56 | अंक 04 | 1 अप्रैल, 2025 | वार्षिक मूल्य : 500/- | प्रति कापी : 50/-

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

भगवान परशुराम
जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. भीमराव आंबेडकर
की जयंती पर शत्-शत् नमन

बैसाखी
की हार्दिक शुभकामनाएं

HARCOFED
Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula
https://www.harcofed.org.in
harcofed@ymail.com

HARYANA BUDGET 2025-26
किसानों को
'नायाब' उपहार
मातृशक्ति को डेरी स्थापित करने के लिए₹1 लाख का ब्याज मुक्त लोन
महिला बागवानों को 1 लाख तक ब्याजमुक्त कर्ज
धान की सीधी बुवाई पर अनुदान राशि बढ़ाकर ₹4,000 से बढ़ाकर ₹4,500
देशी गाय खरीदने पर ₹30,000 की अनुदान राशि
प्राकृतिक खेती के लिए प्रति एकड़ ₹30,000 की अनुदान राशि

हरियाणा का
कायाकल्प
नॉन-स्टॉप हरियाणा का
संकल्प
स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए
₹2,000 करोड़ फंड स्थापित किया जाएगा
STARTUP

इंफ्रास्ट्रक्चर और
ड्रेनेज सिस्टम को
भाजपा सरकार करेगी और
मजबूत
HARYANA BUDGET
2025-26
₹917 करोड़ की लागत से सड़कों की स्थिति होगी बेहतर
₹1,750 करोड़ की लागत से पेयजल, सीवरेज और जलनिकासी के 23 बड़े प्रोजेक्ट होंगे शुरू
चंदू और बसई में 100 MLD के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट
धनवापुर, बेहरामपुर और सेक्टर 107 में 100 MLD का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित होगा

हरियाणा का
कायाकल्प
सीएम नायब का
संकल्प
HARYANA BUDGET
2025-26
गुरुग्राम और
पंचकूला में
बनाएंगे
AI हब
AI HUB

हरियाणा का
कायाकल्प
सीएम नायब का
संकल्प
HARYANA BUDGET
2025-26
विकसित
हरियाणा के
सपने को पूरा करेगा
डिपार्टमेंट ऑफ
फ्यूचर

खेल और
खिलाड़ी के
साथ
नायब सरकार
HARYANA BUDGET
2025-26
हर साल 3 सर्वश्रेष्ठ अखाड़ों को ₹50 लाख, ₹30 लाख, ₹20 लाख की पुरस्कार राशि
खिलाड़ी बीमा योजना में नेशनल-इंटरनेशनल खिलाड़ियों का ₹20 लाख का बीमा, सरकार भरेगी प्रीमियम
खिलाड़ियों को ₹500 प्रतिदिन डाइट मनी
खेल अकादमी के लिए ₹5 करोड़ तक लोन
ओलंपिक पदक विजेताओं को बिजनेस के लिए ₹10 लाख की सहायता

सम्पादकीय

देश का अन्नदाता :– किसान

हमारे देश में किसान का महत्व एक सवेंदशील विषय है, जिसे गंभीरता से संभालने की ज़रूरत है। किसान भारतीय समाज की रीढ़ की हड्डी है क्योंकि किसान अपने परिवार व खुद को भूखा रखकर पूरे देश का पेट भरते हैं अर्थात किसान देश का अन्नदाता है। आज भारत के लोग विभिन्न प्रकार के व्यवसायों में लगे हुए हैं, लेकिन कृषि भारत का मुख्य व्यवसाय है। 1970 के दशक से पहले भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं था और खाद्यान्न लाभ का एक बड़ा हिस्सा दूसरे देशों से आयात करना पड़ता था। परन्तु जब हमारे आयात ने हमें ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया तो उस समय के प्रधानमंत्री एवं भारत के महान नेता श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने एक विकल्प खोजा और हमारे किसानों को प्रेरित किया। **'जय जवान जय किसान'** का नारा इन्ही द्वारा दिया गया था। तत्पश्चात् भारत में 'हरित क्रान्ति' की शुरूआत हुई और हम खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर हो गए। किसान अर्थव्यवसथा की प्रेरक शक्ति भी है इसलिए हमारी आबादी का एक बड़ा हिस्सा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस में शामिल है। किसानों का भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग 17 प्रतिशत का योगदान होता है जो सब चीजों से अतिरिक्त सबसे ज्यादा है लेकिन निराशाजनक बात यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में किसानों का इतना ज्यादा योगदान होने के बावजूद एक किसान समाज की हर सुख–सुविधा से वंचित है। आज भी बहुत बड़ी सख्या में भारतीय किसानों के पास खुद का घर नहीं है और उनकी हालत अब भी संतोषजनक नहीं है। हालांकि किसान हर फसल पर अपनी पूरी मेहनत करते हैं लेकिन दुर्भाग्य से कई बार उनकी फसल में कभी रोग लग जाता है या तेज बारीश एवं ओलावृष्टि के कारण उनकी साल भर की मेहनत बर्बाद हो जाती है। केन्द्र और राज्य सरकार की अनेक योजनाएं किसानों के हित में चल रही है जिनकी जानकारी भी उनको नहीं हो पाती। समस्या यह भी है कि उन्हें प्रयाप्त साधन के साथ–साथ प्रयाप्त भुगतान भी नहीं किया जा रहा। बहुत ऐसे कारणों को देखते हुए हमारे समाज में किसानों की वर्तमान स्थिति में सुधार की जरूरत है। इसलिए हमारे देश में किसान के समृद्ध भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए हम सभी को उनको समर्थन करना चाहिए। जो किसान अनेको ऋण एवं संघर्षों से घिरे रहने के बावजूद भी कभी खेती करना नही छोड़ते और पूर्ण समाज का पेट भरने के लिए कभी आराम नही करते, हमें देश के एक जिम्मेदार नागरीक के रूप में ऐसे किसान भाईयों के लिए आगे आना चाहिए क्योंकि हम उनके बिना एक दिन भी अपने जीवन को जी नहीं सकते।

हरकोफैड की अपील है कि हमें किसान के महत्व को समझने की आवश्यकता है एवं उनके लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। किसानों के बगैर हमारे जीवन की कल्पना करना असम्भव है इसलिए उनके साथ हमें देश की सेना जैसा सम्मानजनक व्यवहार करना चाहिए।

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
आशिमा बराड़, भा.प्र.से.
आयुक्त एवं सचिव,
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
राजेश जोगपाल, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
नरेश गोयल
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव शर्मा

सुविचार

खुद वो बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।

–महात्मा गाँधी

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	30000/-
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	20000/-
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	12000/-
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/-

इस अंक में पढ़िए

सम्पादकीय	4
केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में "डेयरी क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलरिटी पर कार्यशाला" का उद्घाटन किया	6–8
हरियाणा बजट सत्र 2025–2026	9
हरियाणा में पहली बार 2 लाख करोड़ से ज्यादा बजट	10
मात्र 3 दिन के अंदर गन्ना किसानों के खाते में पेमेंट पहुंचाने का काम कर रही सरकार	11
ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी बजट, प्रत्येक वर्ग का रखा गया है ध्यान	12–13
सहकारिता विभाग हरियाणा के वरिष्ठ लेखापरीक्षक हुए सेवानिवृत	13
हरियाणा कैबिनेट बैठक में 5 बड़े फैसले लिए गए	14
पर्यटन को बढ़ावा देंगे हरियाणा – ओडिशा	15
गुरुकुल शिक्षा प्रणाली हमारे संस्कारों की जननी सामाजिक व्यवस्था का आधार : डॉ. अरविंद शर्मा	16
21वीं सदी में दुनिया का सिरमौर बनेगा भारत – डॉ. अरविंद शर्मा	17
सहकारिता आंदोलन से जुड़कर वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है	18–19
हर भूमिका, हर वर्ग हर क्षेत्र में मजबूत और सक्षम हैं – महिलाएँ	20–21
"सहकारिता– ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बदलाव और महिलाओं का सशक्तिकरण" पर संगोष्ठी का आयोजन	22–23
स्वयंसहायता समूह बनाकर बनें आत्मनिर्भर	24
स्वदेशी : संकल्प से समृद्धि	25
सिद्धार्थ शंकर शर्मा (सलाहकार, सहकारिता विभाग हरियाणा) प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय से सहकारिता में पीएचडी की उपाधि से सम्मानित	26
हरकोफैड द्वारा कर्मचारी कक्षा आयोजन	26–27
हरकोफैड द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन	28
कहानी	29
विज्ञापन	30

E-MAIL
harcofed@ymail.com
harcopress@gmail.com

Website
https://www.harcofed.org.in

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में ''डेयरी क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलरिटी पर कार्यशाला'' का उद्धाटन किया

ग्रामीण पलायन की समस्या का समाधान करने के साथ छोटे किसानों को समृद्ध) बनाने के लिए डेयरी एक महत्वपूर्ण विकल्प है

मोदी सरकार सहकार से शक्ति, सहयोग और समृद्धि) के तीन सूत्रों के साथ-साथ चतवपिज वित चमवचसम के मंत्र चरितार्थ कर रही है

वर्तमान समय में फार्म से फैक्ट्री तक की सम्पूर्ण चैन गांव में ही स्थापित किए जाने पर बल दिया जाना चाहिए

गुजरात में माइक्रो ATM के मॉडल से प्रदेश के पशुपालकों को अभूतपूर्व लाभ मिल रहा है, इस मॉडल को नाबार्ड देश के हर जिले तक पहुंचाए

सीमांत किसानों को समद्ध) बनाने के लिए गांव से ग्लोबल तक की यात्रा, समूह से सफलता तक का विश्वास और फार्म से फैक्ट्री तक की पूरी श्रृंखला विकसित करना जरूरी

श्वेत क्रांति 2.0 के तहत हर राज्य व UT में एक राज्यस्तरीय संघ और देश के 80 प्रतिशत जिलों में दुग्ध संघ बनाने का लक्ष्य हो

श्वेत क्रांति 2.0 का मुख्य लक्ष्य सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलरिटी है

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में ''डेयरी क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलरिटी पर कार्यशाला'' का उद्धाटन किया। डेयरी क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी, कुशलता और संसाधनों की सर्कुलरिटी से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि का विजन साकार होगा।

अपने संबोधन में केन्द्रीय में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज जब हम श्वेत क्रांति –2 की तरफ बढ़ रहे हैं तब सस्टेनेबिलिटी और सर्कुलरिटी का महत्व बहुत बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि श्वेत क्रांति–1 से अब तक जो हमने हासिल किया है उससे सस्टेबिलिटी और सर्कुलरिटी को पूरा करना अभी बाकी है। श्री शाह ने कहा कि श्वेत क्रांति 2.0 का मुख्य लक्ष्य सस्टेनेबिलिटी और शुरूआत से ही इनका ध्यान रखा जाना चाहिए।

श्री अमित शाह ने कहा कि भारत का डेयरी क्षेत्र देश के साथ–साथ ग्रामीण विकास और भूमिहीन और छोटे किसानों का समृद्ध बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि ये हमारे देश की पोषण की चिंता करता है, देश को दुनिया का नंबर एक दूध उत्पादक बनाने में योगदान देता है और कृषि के अलावा किसानों को अतिरिक्त आय भी प्रदान करता है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने

कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमारे सामने भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था, दुनिया में तीसरे नंबर का अर्थतंत्र और 2047 में पूर्ण विकसित देश बनाने के तीन लक्ष्य रखे हैं। इन तीनों लक्ष्य रखे हैं। इन तीनों लक्ष्यों को सिद्ध करने के लिए हमें हर क्षेत्र में संभावनाओं का शत–प्रतिशत दोहन करने की पद्धति विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि डेयरी सेक्टर ने आज सर्कुलरिटी के संबंध में गुड प्रैक्टिसिस को 250 दूध उत्पादक संघों तक पहुंचाने की विजनरी शुरूआत की है।

श्री अमित शाह ने कहा कि भारत की कृषि प्रणाली छोटे किसानों पर आधारित है और गांवों से शहर की ओर हो रहा पलायन छोटे किसानों की समृद्धि बनाने के लिए डेयरी एक महत्वपूर्ण विकल्प है। श्री शाह ने कहा कि डेयरी की सभी संभावनाओं को शत–प्रतिशत एक्सप्लोर करने के लिए होलिस्चिक अप्रोच के साथ काम करने के लिए यह सेमिनार बहुत उपयोग सिद्ध होगा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विगत 10 साल में देश में खेती में खुशहाली की एक अच्छी शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि गांव से ग्लोबल तक जाने का हौंसला भी बढ़ा है और पद्धतियां भी बनी हैं और कोऑपरेटिव के माध्यम से समूह से सफलता पाने का विश्वास भी बढ़ रहा है। श्री शाह ने कहा कि अब समय आ गया है कि फार्म से फैक्ट्री तक की पूरी चेन ग्रामीण क्षेत्र में ही हो। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सहकार से शक्ति, सहकार से सहयोग और सहकार से शक्ति सहकार से सहयोग और सहकार से समृद्धि के तीन सूत्रों के साथ–साथ Profit for people के मंत्र चरितार्थ कर रही है।

श्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता का उद्देश्य लाभ कमाने के साथ–साथ च्मवचसम पितेज भी है। उन्होंने कहा कि च्तवपिज वित चमवचसम के सूत्र को हम सहकारिता के माध्यम से ही चरितार्थ कर सकते हैं। आज यहां डेयरी क्षेत्र में सर्कुलरिटी पर मार्गदर्शिका

का विमोजन छोटी और बड़ी बायोगैस कम्प्रेस्ड परियाजनाओं की वित्तीय सहायताओं के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की योजनाओं और (NDDB) और NDDB परियोजना का शुभारंभ भी हुआ है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा हकि जैविक खाद का शत–प्रतिशत दोहन करने के लिए जिला स्तर के दुग्ध संघों और ग्रामीण डेयरयों को उन किसानों को सहकारिता के नेट में लाना होगा जो अभी कोऑपरेटिव से नहीं जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि कई किसान प्राइवेट डेयरी को दूध देते हैं, लेकिन उनके गोबर का प्रबंधन सहकारिता क्षेत्र को करना चाहिए, जिससे हमारी मिनिमम बायबिलिटी की समस्या दूर होगी और प्राइवेट सेक्टर की ओर जा रहे किसान को सहकारिता क्षेत्र की और आकर्षित करने में सफलता मिलेगी। श्री शाह ने कहा कि गैस उत्पादन के क्षेत्र के सफल प्रयोगों को 2 साल के लक्ष्य साथ 250 जिला दुग्ध उत्पादका संघों में मॉडल के रूप में सफलतापूर्वक लागू करने का कार्यक्रम बनाना चाहिए।

श्री अमित शाह ने कहा कि हमने सारे खाते कोऑपरेटिव बैंकों में खोलने के लिए भी Cooperation Amongst Cooperatives की शुरूआत की है और आज गुजरात में 93 प्रतिशत संस्थाओं में खाते सहकारी बैंकों में खुले हुए हैं। इससे सहकारिता के लिए अपने आप धन भी उपलब्ध हुआ है और बैंक भी मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात में माइक्रो ATM के मॉडल से प्रदेश के पशुपालकों को अभूतपूर्व लाभ मिल रहा है, इस मॉडल को नाबार्ड देश के हर जिले तम पहुंचाए। श्री शाह ने कहा कि हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि फैट नापने से लेकर डेयरी के सभी प्रॉडक्ट्स के साथ जुड़ी सभी मशीनों का उत्पादन भारत में हो। उन्होंने कहा कि कार्बन क्रेडिट को हमारी पद्धति का हिस्सा बनाना चाहिए और इसका फायदा किसान को मिले इसके लिए कोऑपरेटिव मॉडल पर वैज्ञानिक व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज देश में 23 राज्यस्तरीय संघ है लेकिन हमें श्वेत क्रांति 2.0 के तहत हर राज्य व UT में एक राज्यस्तरीय संघ और देश के 80 प्रतिशत जिलों में दुग संघ बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान की 28 विपणन डेयरियों की संख्या बढ़ाकर 3 गुना कर सकते हैं। श्री शाह ने कहा कि कोऑपरेटिव डेयरी क्षेत्र में उपभोक्ता के पास से आने वाले पैसे में से 75 प्रतिशत से अधिक किसानों को वापस मिलता है। उन्होंने कहा कि कॉपोरेट सेक्टर में किसानों को 32 प्रतिशत पैसा वापस मिलता है। उन्होंने कहा कि हमें देश के हर किसान के लिए इस अंतर को कम करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इसके साथ ही, 16 करोड़ टन गोबर को हमारे कोऑपरेटिव के नेट में लाने का भी प्रयास करना चाहिए।

श्री अमित शाह ने कहा कि मीथेन ओर कार्बनडाइऑक्साइड के उत्सर्जन में बहुत कमी आई है और इसका सौर प्रतिशत कार्बन क्रेडिट किसानों के बैंक खाते में जाना चाहिए और यही सर्कुलरिटी का असली मतलब है। उन्होंने कहा कि डेयरी कोऑपरेटिव डेयरी सेक्टर में 70 प्रतिशत महिलाएं काम कर रही है। श्री शाह ने कहा कि इससे सिद्ध होता है कि कोऑपरेटिव डेयरी सेक्टर में माताओं बहनों के रोजगार और उनके सशक्तिकरण पर काम करता है।

कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विकास बोर्ड के सहयोग से किया गया है। कार्यक्रम में केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, प्रोफेसर एस.पी. सिंह बघेल एवं श्री जॉर्ज कुरियन, श्रीमती अलका उपाध्याय, सचिव, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय सहित अनेके गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

हरियाणा बजट सत्र 2025–2026

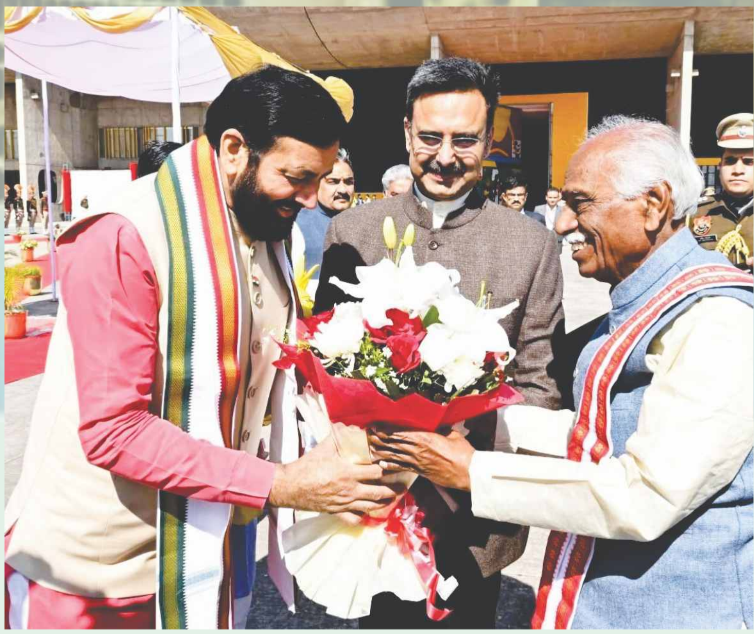

हरियाणा विधानसभा बजट सत्र 2025 के पहले दिन महामहिम राज्यपाल, हरियाणा श्री बंडारू दत्तात्रेय ने सदन को संबोधित किया और अपना अभिभाषण दिया। महामहिम राज्यपाल ने सामाजिक कल्याण की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि राज्य सरकार सबसे पहले–सबसे गरीब के उत्थान के लक्ष्य को लेकर कार्य कर रही है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन पर चलते हुए सभी पिछड़े और वंचित वर्गों के कल्याण और उत्थान के लिए ठोस कदम उठाये जा रहे हैं। सरकार ने अनुसूचित जातियों के आरक्षण को दो वर्गों में वर्गीकृत कर अब तक वंचित रही अनुसूचित जातियों को उनका अधिकार देने का कार्य किया है।

गरीब परिवारों को सीधे सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से चलाई जा रही पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना के तहत, दुर्घटनाओं के कारण परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु अथवा दिव्यांग हो जाने के कारण 22,585 गरीब परिवारों को ₹840.90 करोड़ की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है।

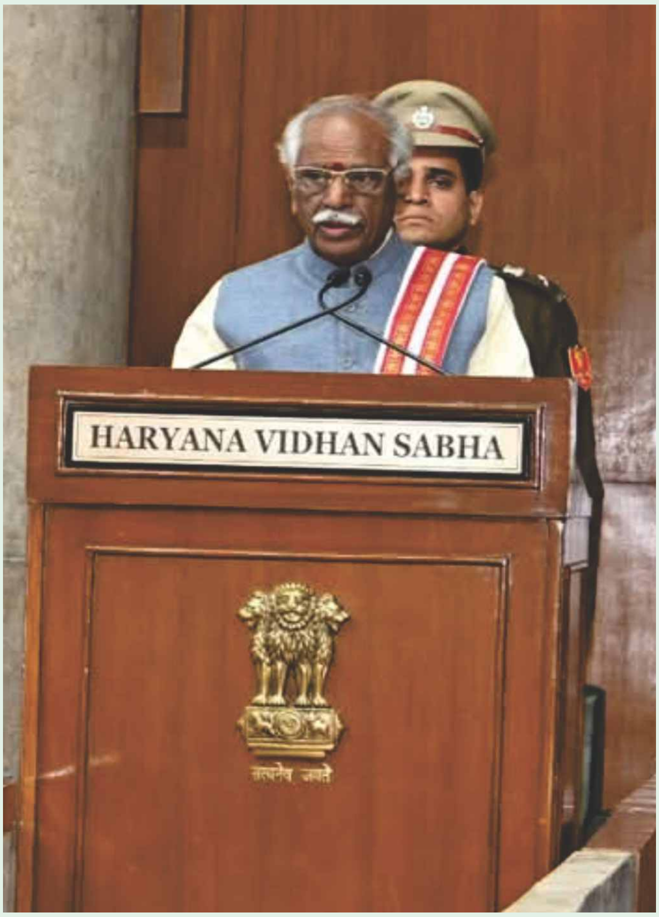

हरियाणा में पहली बार 2 लाख करोड़ से ज्यादा बजट

माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी ने हरियाणा विधानसभा बजट सत्र में 17 मार्च 2025 को राज्य के इतिहास में पहली बार 2 लाख 5 हजार 17 करोड़ का बजट पेश किया। प्रदेश में अब तक का यह सबसे ज्यादा एवं बड़ा बजट है। मुख्यमंत्री ने 80 पेज का बजट भाषण पढ़ा, जिसमें 161 बिंदु थे और भाषण 2 घंटे 57 मिनट चला। भाषण के शुरुआत में उन्होंने मैथिलीशरण गुप्त की कविता "हम क्या थे, क्या हो गए और क्या होंगे अभी, आओ विचारो मिलकर ये समस्याएं सभी" पढ़ी।

बजट भाषण के दौरान मुख्यमंत्री की सबसे बड़ी घोषणा महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए देने की रही। जिसके लिए बजट में 5 हजार करोड़ रखे गए हैं। वहीं महिलाओं को 1 लाख रुपए तक ब्याजमुक्त लोन देने की भी घोषणा की।

बजट के अंत में उन्होंने बजट के प्रस्तावों के पीछे गुरु रविदास जी के शब्दों 'ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न। छोट–बड़ो सभ सम बसै, रैदास रहे प्रसन्न' को प्रेरणा बताया।

वहीं मुख्यमंत्री ने कहा कि नेशनल – इंटरनेशनल खिलाड़ियों का 20 लाख तक मुफ्त बीमा होगा। इसका प्रीमियम सरकार भरेगी। ओलिंपिक मेडलिस्ट खिलाड़ियों को बिजनेस के लिए सरकार 10 लाख रूपये की राशि देगी। खिलाड़ियों की डाइट मनी 400 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए प्रति दिन करने और अखाड़ों को 20 से 50 लाख इनाम देने की भी घोषणा की। ओलिंपिक मेडलिस्ट को एकेडमी खोलने के लिए 2% सब्सिडी के साथ 5 करोड़ लोन भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिसार एयरपोर्ट से अयोध्या, जयपुर, चंडीगढ़, अहमदाबाद और जम्मू के लिए जल्द हवाई सेवा भी शुरू होगी। शहरों में मल्टीलेवल पार्किंग, गुरुग्राम में मेट्रो लाइन, विज्ञान और इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुशन की पढ़ाई करने वाली छात्राओं को 1 लाख रूपए वार्षिक छात्रवृत्ति दी जाएगी।

युवाओं के लिए सीएम ने कहा कि इसी वर्ष शुरू किए मिशन हरियाणा–2047 के जरिए प्रदेश के 50 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। इसके अलावा डंकी रूट के जरिए युवाओं की जिंदगी से हो रहे खिलवाड़ को लेकर हरियाणा सरकार कठोर कानून लेकर आ रही है।

मात्र 3 दिन के अंदर गन्ना किसानों के खाते में पेमेंट पहुंचाने का काम कर रही सरकार

डॉ अरविंद शर्मा

माननीय सहकारिता मंत्री, हरियाणा डॉ अरविंद कुमार शर्मा ने बजट सत्र के दौरान महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर विचार रखते हुए कहा कि सहकारिता विभाग माननीय अमित शाह जी के नेतृत्व में इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष मना रहा है। पूरे हरियाणा में सबसे पहले सहकारिता सप्ताह मनाया गया और सहकारिता जागरूकता अभियान चलाया गया जिसके माध्यम से सहकारिता के प्रति जन जन को जागरूक किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को भी पूरे हरियाणा में मनाया गया जिससे महिलाओं को सहकारिता से जुड़ी सभी जानकारी उपलब्ध करवाई गई। माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हरकोबैंक की स्कीम द्वारा महिला कोऑपरेटिव सोसाइटीज को 5 लाख तक का लोन दिया जाता है जिसमें 1 लाख रुपए की सब्सिडी प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत इस समय 5 रुपए प्रति लिटर दर से सब्सिडी दी जा रही है। हरियाणा की सभी हमारी शुगर मिल्स में गन्ने की पिराई का उद्घाटन भी मेरे द्वारा किया गया । आज गन्ने का उत्पाद कम होता जा रहा है। जो शुगर मिलें 150 से 160 दिन चलती थी लेकिन अब :—

जिंद शुगर मिल 67 दिन चली
कैथल शुगर मिल 85 दिन चली
महम शुगर मिल 75 दिन चली
गोहाना शुगर मिल 91 दिन चली
रोहतक शुगर मिल 84 दिन चली

मेरी सबसे अपील है कि हम सब कोशिश करें और जो पुराने गन्ना किसान हैं जो पहले गन्ना उगाते थे की वो जहां जहां है वो गन्ने की फसल को बढ़ाएं, नहीं तो आने वाले समय में हमारी शुगर मिल नहीं चल पाएंगी।

माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में आज गन्ना किसानों को उनकी पेमेंट मात्र 3 दिन के अंदर उनके खाते में पहुंचा दी जाती है

ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी बजट, प्रत्येक वर्ग का रखा गया है ध्यान

डॉ. अरविंद शर्मा

कैबिनेट मंत्री बोले, बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को मजबूत करते हुए हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध

बजट से हरियाणा की जनता के सपनों का साकार करने की दिशा में बड़ा कदम

सहकारिता व पर्यटन विभाग के लिए बजट में प्रावधान पर सीएम का जताया आभार

सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा वित्तमंत्री के नाते पेश किया गया बजट ऐतिहासिक और प्रदेशवासियों के लिए जनकल्याणकारी साबित होगा। उन्होंने कहा कि किसान, महिला, युवा, गरीब कल्याण को समर्पित बजट, हर वर्ग का भरपूर ध्यान रखते हुए प्रदेश को तिगुनी गति से रफ्तार देने वाला साबित होगा। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सहकारिता विभाग के बजट में 58.80 प्रतिशत बढ़ोतरी व हरियाणा के पर्यटन को दुनिया के मानचित्र पर लेकर जाने के लिए किए गए प्रावधानों के लिए आभार जताया।

हरियाणा के आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस बजट से हरियाणा की जनता के सपनों को साकार करने की दिशा में एक बड़ा और सशक्त कदम उठाया है। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को मजबूत करते हुए हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। नायब सैनी सरकार ने बजट में प्रदेश की तरक्की व समाज के सभी वर्गों के कल्याण का ध्यान रखा है। मुख्यमंत्री ने 2025–26 के लिए 2 लाख 5 हजार 17 करोड़ रूपए का बजट प्रस्वावित किया है, इससे हरियाणा विकसित प्रदेश बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। किसानों और युवाओं के लिए बजट में मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से फोकस किया है।

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि अगले 5 वर्षों में 2 लाख सरकारी नौकरियां देने का लक्ष्य नायब सैनी सरकार ने रखा है। इससे प्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। भाजपा में बिना पर्ची बिना खर्ची नौकरी देने का वादा निभाया है और आगे भी निभाएंगे। इसके अलावा हर जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना के साथ–साथ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा निवेश किया गया है, जिससे प्रदेश की सामाजिक संरचना मजबूत होगी। शानदार बजट पेश करने पर कैबिनेट मंत्री ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया और उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को हर दृष्टि से सशक्त बनाने की ओर बजट एक अहम कड़ी साबित होगा और नए हरियाणा का निर्माण करेगा। उन्होंने कहा कि विकसित समृद्ध और आत्मनिर्भर हरियाणा बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह बजट सर्वसमावेशी और दूरदर्शी है।

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सहकारिता विभाग के लिए 58.80 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ

1254.97 करोड़ रूपए की राशि का आवंटन करने के लिए डेयरीफैड के माध्यम से प्रदेश में 15 फीसदी अधिक दूध संकलन का लक्ष्य रखते हुए नए वित्त वर्ष में मुख्यमंत्री दूध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के लिए 70 करोड़ रूपए का आवंटन व्यवस्था में सरलता लाएगा। उन्होंने कहा प्रदेश के हर ब्लाक में दूध संकलन केंद्र बनाने व जिला स्तर पर चिलिंग प्लांट लगाने से वीटा के उत्पादों को बड़ा विस्तार व बाजार उपलब्ध होगा। वीटा के 350 नए बूथ स्थापित किए जाने से वीटा उत्पादों की उपलब्धता बढ़ेगी व युवाओं को अवसर मिलेगा।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि अंतराष्ट्रीय सूरजकुण्ड मेला के ढांचागत विकास को मजबूत करते हुए हर साल दो बार मेले का आयोजन किया जाएगा। विश्वस्तरीय राखीगढ़ी पुरातत्व स्थल को विकसित करते हुए वार्षिक राखीगढ़ी मेला आयोजित करने से इसकी विशिष्ट पहचान को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 5 टूरिस्ट कॉम्लक्सों को पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप मोड़ पर विकसित किया जाना, लोहारू किला, भिवानी, यादवेन्द्रा गार्डन, पिन्जौर व टिक्कर ताल, मोरनी को विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पर्यटन को दुनिया के मानचित्र पर लेकर जाने के संकल्प को लेकर गम्भीर प्रयास शुरू हो गए हैं, जिसके लिए आदरणीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बधाई के पात्र हैं।'

सहकारिता विभाग हरियाणा के वरिष्ठ लेखापरीक्षक हुए सेवानिवृत

दिनांक 31 मार्च 2025 को सहकारिता विभाग हरियाणा में वरिष्ठ लेखापरीक्षक श्री नवीन कुमार एवं श्री गजेन्द्र पाराशर अपने 30 साल के कार्यकाल उपरांत सेवानिवृत हुए। इस अवसर पर रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां कार्यालय के सभी अधिकारी एवं साथी कर्मचारियों ने उनके प्रति अपनी शुभकामनांए प्रेषित की। श्री नवीन कुमार ने सन् 1996 में सहकारिता विभाग हरियाणा में सब ईस्पेक्टर ऑडिट के पद पर ज्वाइन किया था। सन् 2012 में उन्हें लेखापरीक्षक के पद पर पदोन्निति मिली और इन्हें विभाग द्वारा हरकोफैड कार्यालय में लेखापरीक्षक का कार्यभार सांपो गया। इसके साथ–साथ इन्होंने एच.एस.सी.आर.डी.बी. एवं शुगरफैड में लेखापरीक्षक के पद पर भी कार्य किया। सन् 2025 में आपको वरिष्ठ लेखापरीक्षक के पद पर पदोन्निती मिली। श्री गजेन्द्र पाराशर ने भी सन् 1996 में सहकारिता विभाग हरियाणा में सब ईस्पेक्टर ऑडिट के पद पर ज्वाइन किया था। सन् 2012 में इन्हें लेखापरीक्षक के पद पर पदोन्निति मिली और इन्हें विभाग द्वारा पदोन्निति उपरांत लेखापरीक्षा अधिकारी कार्यालय करनाल में लेखापरीक्षक का कार्यभार सौंपा गया। सन् 2013 में इन्हें हरकोफैड में लेखापरीक्षक का कार्यभार दिया गया एवं इसके साथ–साथ इन्होने कॉन्फैड में वरिष्ठ लेखापरीक्षक का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाला। सन् 2025 में आपको वरिष्ठ लेखापरीक्षक के पद पर पदोन्निति मिली।

आपने विभाग में अपनी कार्यशैली की सकारात्मक छाप छोड़ी है। विभाग द्वारा इनकी सेवानिवृति के अवसर पर शानदार कार्यक्रम आयोजित कर एक यादगार विदाई देने का कार्य किया। इस अवसर पर संयुक्त रजिस्ट्रार (प्रशासन), श्री रणबीर सिंह ह.प्र.से. व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। हरकोफैड व अन्य सहकारी संस्थानो द्वारा भी इन्हें यादगार विदाई दी गई और भविष्य में इनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की मंगलकामनाएं प्रेषित की।

हरियाणा कैबिनेट बैठक में 5 बड़े फैसले लिए गए

1. हरियाणा आत्मनिर्भर कपड़ा नीति 2022–25 की अवधि को 18 दिसंबर, 2026 तक बढ़ा दिया गया है और कैपिंग को हटा दिया है।

2. व्यापारियों से बकाया राशि की वसूली के लिए 'हरियाणा एकमुश्त निपटान योजना 2025' के संशोधित प्रारूप को मंजूरी दी है।

3. हरियाणा मिल्क प्लांट एसोसिएशन और मिल्क प्लांट मालिकों पर दुग्ध सेस के भुगतान में देरी होने पर राशि पर 12% की दर से साधारण ब्याज लगेगा। साथ ही बैठक में हरियाणा मुर्रा भैंस एवं अन्य दुधारू पशु नस्ल नियम, 2002 में संशोधन को मंजूरी दी है।

4. द्वितीय हरियाणा राज्य विधि आयोग के अंशकालिक सदस्यों के मानदेय को ₹50 हजार से बढ़ाकर ₹75 हजार प्रति माह करने को मंजूरी दी गई है।

5. हरियाणा खेल विभाग 'ग्रुप ए' सेवा नियम–2025 को मंजूरी दी है।

इसके अलावा फैसला किया कि अब सरकारी विभागों की तर्ज पर नगर निकायों में ग्रुप A, B, C और D के पदों के वर्गीकरण होगा। ग्रुप A और B के बराबर के सभी पद अब हरियाणा लोक सेवा आयोग (HPSC) के माध्यम से भरे जाएंगे। जबकि ग्रुप C और D के पद हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (HSSC) के माध्यम से भरे जाएंगे।

पर्यटन को बढ़ावा देंगे हरियाणा – ओडिशा

भुवनेश्वर में ओडिशा की उपमुख्यमंत्री से पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने की मुलाकात

दोनों राज्यों के बीच पर्यटन को प्रोत्साहन, विरासत को संरक्षिता करने व सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने पर हुई चर्चा

हरियाणा और ओडिशा मिलकर पर्यटन को बढ़ावा देंगे। हरियाणा के विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने भुवनेश्वर में शुक्रवार को ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रभाती परिदा से शिष्टाचार भेंट करते हुए दोनों राज्यों के बीच पर्यटन को प्रोत्साहन, विरासत को संरक्षित करने व सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

डॉ. अरविंद शर्मा ने बताया कि हरियाणा ने केवल अपनी विरासत को संजोने की दिशा में प्रभावी कदम उठा रहा है, अपितु पर्यटन स्थलों को भी नया रूप दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार सिंधं–सरस्वती सभ्यता के सबसे समृद्ध महानगर राखीगढ़ी को अंतराष्ट्रीय पहचान देने की दिशा में काम कर रही हे। महारानी अग्रसेन की राजधानी अग्रोहा में भी जल्द उत्खनन की प्रक्रिया को शुरू किया जा रहा है। इससे उस दौर की सांस्कृतिक व व्यापारिक व्यवस्था का विस्तृत अध्ययन किया जा सकेगा।

ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रभाती परिदा ने अतंराष्ट्रीय सुरजकुण्ड शिल्प मेला 2025 में भी शामिल होकर हरियाणा के पर्यटन विभाग की प्रशांसा की थी और मेले में हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत को भी पहचाना था।

गुरूकुल शिक्षा प्रणाली हमारे संस्कारों की जननी सामाजिक व्यवस्था का आधार : डॉ. अरविंद शर्मा

अभिभावकों के प्रति सम्मान के विचार युवाओं में लाना समय की मांग

सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि वैदिक शिक्षा की परम्परा के तौर पर गुरूकुल हमेशा से राष्ट्र व समाज को सशक्त बनाने वाले युवाओं को तैयार करने में अहम योगदान दे रहे हैं। वैदिक काल से ही युवा पीढ़ी में संस्कार कूद–कूदकर भरने व सामाजिक व्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं। आज हमें इस गुरूकुल परम्परा को भरपूर मान–सम्मान देते हुए युवाओं व अभिभावकों को इसमें भागीदारी करने के लिए प्रेरित करना हैं।

डॉ. अरविंद शर्मा वैदिक ज्ञान योग महाविद्यालय गुरूकुल में गांव जुआं के 16वें वार्षिकोत्सव में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि आर्य समाज का आजादी आदोलन में बड़ा योगदान रहा। इस विचार पर चलते हुए महापुरूषों ने न केवल राष्ट्रभाव को प्राथमिकता देते हुए एकजुटता को विस्तार दिया, वहीं वैदिक काल की गुरूकुल व्यवस्था को निरन्तर बढ़ावा देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि भारत में गुरूकुल व्यवस्था ने ज्ञान के सभी क्षेत्रों से विद्यार्थियों को जोड़ा है। इसी ज्ञान के बूते हमारे युवाओं ने दुनिया में भारतीय का झंडा लहराया।

21वीं सदी में दुनिया का सिरमौर बनेगा भारत – डॉ. अरविंद शर्मा

सहकारिता मंत्री ने झज्जर स्थित राजकीय पीजी नेहरू कॉलेज के दीक्षांत समारोह में छात्र–छात्राओं को प्रदान की डिग्रियां

हरियाणा के सहकारिता व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि 21वीं सदी में भारत दुनिया का सिरमौर बनेगा। इसके लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी न केवल नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू कर रहे हैं, अपितु देश की युवा शक्ति की प्रतिभा, क्षमता को निखारते हुए अनुकूल माहौल देने के लिए प्रभावी कदम उठा रहे हैं। उन्होंने वर्तमान युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वो इस वातावरण में देश व समाज के उत्थान में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

डॉ. अरविंद शर्मा ने झज्जर के राजकीय पीजी नेहरू कॉलेज में आयोजित दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अपना संबोधन दिया और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

उन्होंने समारोह के दौरान स्नातकोत्तर व स्नातक उतीर्ण कर चुके 1195 छात्र –छात्राओं को डिग्री प्रदान करते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. अरविंद शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है, जिसे हरियाणा में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सिद्धि तक लेकर जाने के लिए काम किया जा रहा है। आज हर क्षेत्र में महिलाएं मेहनत के बलबूते पर प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं।

उन्होंने सभी डिग्री हासिल करने छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि डिग्री लेना बहुत बड़ी बात है, डिग्री मिलने से केवल विद्यार्थी ही नहीं उनके माता–पिता भी फक्र महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि 21वीं सदी का भारत दुनिया का सिरमौर बने। आज मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, स्टार्टअप, मेक फार आल सरीखे कार्यक्रम को बढ़ावा दिया जा रहा हैं। इन सब कार्यक्रमों का आधार स्किल इंडिया है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि युवाओं को उनकी क्षमता के अनुकूल आगे बढ़ने के अवसर देने के लिए ऐसी शिक्षा नीति को तैयार किया गया है, जो उन्हें अनुकूल माहौल देगी। नई शिक्षा नीति युवाओं को उनकी रुचि के अनुरूप विषयों को पढ़ने, रचनात्मक तरीके से सीखने व कुशल बनने के लिए प्रेरित करेगी।

डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सपने आपके अपने नहीं, बल्कि माता पिता के भी होते हैं। जीवन में कामयाबी तभी मिलती है, जब विद्यार्थी अपने माता पिता व गुरुजनों के सपनों को साकार करे।

सहकारिता आंदोलन से जुडकर वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है

सहकारिता विभाग द्वारा पंचकूला में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन

दिनांक 08 मार्च 2025 को रजिस्ट्रार सहकारी समितियां मुख्यालय पंचकूला पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक जीवंत और सशक्त कार्यक्रम का आयोजन किया। एकता और शक्ति के प्रतीक रंग–बिरंगे सजावट से सुसज्जित कार्यक्रम स्थल पर हार्कोफेड, हाउसफेड, डेयरीफेड, लेबरफेड, हैफेड और लैंड मोरगेज बैंक सहित विभिन्न शीर्ष सहकारी फेडरेशनों की समर्पित महिला अधिकारी और कर्मचारी एकत्रित हुईं। प्रत्येक फेडरेशन ने अपने समुदायों के भीतर स्थायी समाधान बनाने के लिए प्रतिबद्ध महिलाओं की सामूहिक शक्ति का प्रतिनिधित्व किया।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर, सहकारी समितियां हरियाणा के रजिस्ट्रार राजेश जोगपाल ने सहकारी क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को मान्यता देने के लिए मुख्य मंच संभाला। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज हम महिलाओं की असाधारण शक्ति और उनके सम्मान में जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए हैं, और सहकारी आंदोलन के माध्यम से अपने स्वयं के वित्तीय भविष्य को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया है। वित्तीय स्वतंत्रता केवल एक लक्ष्य नहीं है बल्कि यह एक परिवर्तनकारी यात्रा है जो महिलाओं को अपने जीवन की जिम्मेदारी लेने, स्वयं निर्णय लेने और अपने स्वयं के रास्ते बनाने के लिए सशक्त बनाती है।

सहकारी आंदोलन इस परिवर्तन के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है, जो अमूल्य संसाधन प्रदान करता है जो वित्तीय स्वतंत्रता को बढावा देता है, राजनीतिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है और सामाजिक मुक्ति को बढावा देता है। उन्होंने दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों से जुडी आठ महिला समितियों को माइक्रो ए.टी.एम वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाना और बैंकिंग सेवाओं तक उनकी पहुँच को आसान बनाना है।

इस पहल से महिला डेयरी उत्पादक समितियों की महिलाएं अपने गांवों में ही नकदी निकासी, बैलेंस इंक्वायरी जैसी बुनियादी बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा

सकेंगी। इससे उन्हें दूध के पैसे निकालने और अन्य वित्तीय लेन–देन करने में आसानी होगी, जिससे उनकी आय बढेगी और वे आर्थिक रूप से सशक्त होंगी। जिला केंद्रीय सहकारी बैंक पंचकूला की ओर से इस उदार योगदान का उद्देश्य इन समितियों को वित्तीय लेन–देन की सुविधा के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करना, पहुंच बढाना और अंततः महिलाओं को अपने वित्तीय मामलों को स्वतंत्र रूप से प्रबंधित करने के लिए सशक्त बनाना है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने चार चांद लगा दिए, जिन्होंने इस उद्देश्य में अपना समर्थन दिया। श्रीमती कविता धनखड, अतिरिक्त रजिस्ट्रार ने सहकारी पहलों में महिलाओं की भागीदारी के महत्व के बारे में एक प्रेरक संदेश दिया, जिसमें समानता और सशक्तीकरण की खोज में एकजुट मोर्चे की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। संयुक्त रजिस्ट्रार (प्रशासन)

श्री रणबीर सिंह भी शामिल हुए, साथ ही विभिन्न सहकारी प्रसंघों के प्रबंध निदेशकों में हाऊसफैड से श्री योगेश शर्मा, लेबरफैड से श्री वीरेंद्र दहिया और हरकोफैड से श्री नरेश गोयल एवं जिला केंद्रीय सहकारी बैंक पंचकूला के महाप्रबंधक श्री संजीव चौहान शामिल हुए। उनकी सामूहिक आवाज महिलाओं के उत्थान के लिए सहकारी आंदोलन की प्रतिबद्धता को प्रतिध्वनित करती है, जिससे सभी के लिए अधिक समतापूर्ण और समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है।

कार्यक्रम में हरियाणवी कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति भी पेश की गई और कार्यालय की सभी महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा केक काटकर इस दिवस को एक यादगार पल बनाया गया। रजिस्ट्रार सहकारी समितियां द्वारा सभी कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को एक–एक कप भेंट किया गया।

हर भूमिका, हर वर्ग हर क्षेत्र में मजबूत और सक्षम हैं – महिलाएँ

राजेश जोगपाल, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, हरियाणा

मैं आपसे पूछना चाहती हूँ–आखिरी बार कब आप जैसी महिला से नीति–निर्माण में उनकी राय पूछी गई थी? आपने हम जैसी महिलाओं को सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्थाओं में कब बैठे देखा है? सच तो यह है कि जब महिलाएँ राजनीति से दूर होती हैं, तो हमारी जरूरतों पर विचार किए बिना नीतियाँ बनाई जाती हैं। जब पुरुष शासन पर हावी होते हैं, तो कार्यस्थल सुरक्षा, मातृ स्वास्थ्य और समान वेतन जैसे मुद्दों को दरकिनार कर दिया जाता है। हमारे जीवन, हमारी सुरक्षा और हमारे बच्चों के भविष्य के बारे में निर्णय कमरे में हमारी आवाज के बिना किए जाते हैं।

आँकड़ों पर नजर डालेंरू भारत में, महिलाएँ आबादी का लगभग 50% हिस्सा बनाती हैं, फिर भी लोकसभा सदस्यों में से केवल 14% महिलाएँ हैं। इसकी तुलना रवांडा जैसे देशों से करें, जहाँ उनकी संसद का 60: से अधिक हिस्सा महिलाओं का है– और देखें कि उनकी नीतियाँ शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक कल्याण का हमारे देशों से बेहतर समर्थन कैसे करती हैं। सच तो यह है कि राजनीति सिर्फ अमीरों या ताकतवरों के लिए नहीं है– यह सभी के लिए है। के. के. शैलजा, इंदिरा गाँधी और अनगिनत अन्य महिलाओं ने दिखाया है कि जब महिलाएँ नेतृत्व में कदम रखती हैं, तो वे वास्तविक बदलाव लाती हैं। हमें राजनीति में आप जैसी और महिलाओं की जरूरत है – सिर्फ मतदाता के तौर पर नहीं, बल्कि नेताओं के तौर पर भी।

कम वेतन वाली नौकरियों में काम करने वाली महिलाएँ अक्सर मानती हैं कि राजनीति उनके लिए नहीं है। उन्हें लगता है कि यह अमीरों, शिक्षितों या प्रभावशाली लोगों के लिए है। लेकिन वास्तविकता अलग है। राजनीति आपके जीवन के हर पहलू को नियंत्रित करती है – आपके कार्यस्थल की सुरक्षा से लेकर आपके बच्चों की शिक्षा की लागत तक। अगर आप इसमें भाग नहीं लेते हैं, तो आप दूसरों को आपके लिए निर्णय लेने देते हैं।

छोटी शुरुआत करें। हर चुनाव में वोट दें। अपने निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव के लिए खड़े उम्मीदवारों के बारे में पढ़ें। राजनीति में महिलाओं का समर्थन करें और स्थानीय शासन में प्रतिनिधित्व की माँग करें। अगर आप जैसी महिलाएँ राजनीति में नहीं आती हैं, तो नीतियाँ हमारे लिए बनती रहेंगी, लेकिन हमारे बिना।

और मैं आपको एक और बात बता दूं – आपको अपने अधिकारों को समझने के लिए कानून या राजनीति विज्ञान की डिग्री की जरूरत नहीं है। आपको समान वेतन की माँग करने का अधिकार है। आपको कार्यस्थल की सुरक्षा का अधिकार है। आपको सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किए जाने का अधिकार है। लेकिन अधिकार तभी मौजूद होते हैं जब हम उनका दावा

करते हैं। बोलें, सवाल करें, माँग करें। यही राजनीतिक स्वतंत्रता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि हम यह मानना बंद कर दें कि राजनीति एक "गंदा खेल" है और महिलाओं को इससे दूर रहना चाहिए। जितना अधिक हम इससे दूर रहेंगे, उतना ही हम अपने जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णयों पर नियंत्रण खो देंगे। क्या आपने कभी सोचा है कि भारत में महिला नीति निर्माता इतनी कम क्यों हैं? ऐसा इसलिए है क्योंकि समाज हमें राजनीति में प्रवेश करने से हतोत्साहित करता है। यह हमें चुप रहने, स्वीकार करने और समायोजित करने के लिए कहता है। लेकिन आज, मैं आपसे आग्रह करता हूँ – समायोजित न हों। अपनी आवाज उठाएँ। निर्णय लेने वाले स्थानों पर कदम रखें। परिवर्तन करने वाले बनें जिन्हें आने वाली पीढ़ियाँ देखेंगी।

अपनी नौकरी में कई महिलाओं को लगता है कि यह "छोटा" या "महत्वहीन" है। समाज आपको बता सकता है कि केवल डॉक्टर, इंजीनियर या अधिकारी ही सम्मान के पात्र हैं। लेकिन मैं आपको सच बताता हूँ – कोई भी काम छोटा नहीं होता।

वह महिला जो दफ्तर साफ करती है, वह महिला जो दस्तावेज टाइप करती है, वह महिला जो सरकारी कागजात फाइल करती है – उनमें से हर कोई सिस्टम को काम करने में मदद कर रहा है। समाज को ईमानदारी से काम करने पर शर्मिंदा न होने दें। आपका काम आपकी कीमत को परिभाषित नहीं करता है। आपकी कीमत आपकी ईमानदारी, आपकी दयालुता, आपकी हिम्मत और समाज के लिए आपके योगदान से निर्धारित होती है।

अपने वेतन, अपनी वर्दी या अपने पद से खुद को मत मापिए। इसके बजाय, खुद को इस बात से मापिए कि आप कितने बड़े हो गए हैं, आपने कितना सीखा है और आपने अपने और दूसरी महिलाओं के लिए कितना संघर्ष किया है। कई बार, जिन महिलाओं ने खुद भेदभाव का सामना किया है, वे जाने–अनजाने में या जानबूझकर पितृसत्ता को अगली पीढ़ी तक पहुंचा देती हैं। हम अपनी बेटियों से कहते हैं, "पुरुषों से बहस मत करो।" हम अपनी जूनियर महिला सहकर्मियों से कहते हैं, "समायोजन करो और समझौता करो।" हम दफ्तर में लैंगिकवादी चुटकुलों को बर्दाश्त करते हैं। हम उन महिलाओं से कहते हैं जो बोलती हैं कि वे "बहुत बोल्ड" हो रही हैं।

लेकिन मैं आपसे पूछना चाहता हूँ– अगर हम इस बंधन को नहीं तोड़ेंगे, तो कौन तोड़ेगा?

अगली बार जब कोई युवा लड़की आपसे सलाह मांगे, तो उसे बड़े सपने देखने के लिए कहें। अगली बार जब आपके दफ्तर में कोई जूनियर महिला भेदभाव का सामना करे, तो उसके लिए खड़े हों। अगली बार जब कोई पुरुष सहकर्मी लैंगिकवादी टिप्पणी करे, तो उसे चुनौती दें। पितृसत्ता के चक्र को तोड़ने वाली महिला बनें, न कि उसे मजबूत करने वाली।

अंत में, मैं एक ऐसी चीज के बारे में बात करना चाहता हूँ जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं– आत्म–प्रेम। महिलाओं को लगातार दूसरों को पहले रखना सिखाया जाता है। हम परिवारों की देखभाल करते हैं, हम अपने सहयोगियों का समर्थन करते हैं, हम अपने समुदायों की सेवा करते हैं – लेकिन हम अपना ख्याल कब रखते हैं? आत्म–प्रेम स्वार्थी नहीं है। यह आवश्यक है। अपने लिए समय निकालें। अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। बिना अपराधबोध के खुद से प्यार करें। महत्वाकांक्षी होने के लिए माफी मांगना बंद करें। विषाक्त संबंधों पर खुद को चुनने के लिए दोषी महसूस करना बंद करें। यह सोचना बंद करें कि परिवार में आपकी भूमिका आपके पूरे अस्तित्व को परिभाषित करती है। आप पहले एक व्यक्ति हैं। आप एक माँ, बेटी या पत्नी होने से पहले एक व्यक्ति हैं। हर भूमिका में, हर वर्ग में, हर क्षेत्र में महिलाएँ – आप मजबूत हैं। आप सक्षम हैं। आप पर्याप्त हैं। समाज आपको सीमित करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन वास्तव में केवल वही सीमाएँ मौजूद हैं जिन्हें आप स्वीकार करते हैं।

''सहकारिता– ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बदलाव और महिलाओं का सशक्तिकरण'' पर संगोष्ठी का आयोजन

सहकारिता विभाग हरियाणा में हरकोफैड द्वारा अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 अभियान के अंतर्गत क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, सेक्टर 32 चंडीगढ़ के सभागार में **"सहकारिता– ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बदलाव और महिलाओं का सशक्तिकरण"** विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहकारी समितियां हरियाणा के रजिस्ट्रार श्री राजेश जोगपाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है और इस वर्ष को सहकारिता के लिए महत्वपूर्ण बनाने के लिए पूरे वर्ष ग्रामीण, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान के डायरेक्टर डॉ राजीव कुमार, संयुक्त रजिस्ट्रार (प्रशासन) श्री रणबीर सिंह, अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां पूनम नारा, कविता धनखड़, संयुक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां योगेश शर्मा एवं नरेश गोयल सहित सभी सहकारी संस्थानों के अधिकारी एवं प्रदेश भर के सहकार बंधुओं ने भाग लिया।

सेमिनार में अतिथि वक्ता के रूप में नाबार्ड से महाप्रबंधक रिटायर्ड श्री वी के बेदी एवं सहकारिता विषय की ज्ञाता सुश्री दिक्षा शर्मा को आमंत्रित किया गया और उन्होंने **"सहकारिता– ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बदलाव और महिलाओं का सशक्तिकरण"** विषय पर अपना वक्तव्य दिया। सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बदलाव

लाने और महिलाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि यह महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने, कौशल विकास और आय के अवसर प्रदान करने में मदद करती है, जिससे वे सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं, सहकारिता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बदलाव :

- आर्थिक सशक्तिकरणः सहकारी समितियाँ ग्रामीण महिलाओं को कृषि और गैर–कृषि गतिविधियों में शामिल होने के लिए वित्तीय संसाधन और बाजार तक पहुँच प्रदान करती हैं।
- कौशल विकासः सहकारी समितियाँ महिलाओं को आधुनिक कृषि तकनीकों, व्यवसाय प्रबंधन और अन्य महत्वपूर्ण कौशल के बारे में प्रशिक्षण प्रदान करती हैं।
- आय वृद्धिः सहकारी समितियों के माध्यम से, महिलाएं अपनी आय बढ़ा सकती हैं, जिससे उनके और उनके परिवारों के जीवन स्तर में सुधार होता है।
- सामुदायिक विकासः सहकारी समितियाँ ग्रामीण समुदायों में एकजुटता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देती हैं, जिससे सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है. सहकारिता और महिलाओं का सशक्तिकरण।
- सामाजिक सशक्तिकरणः सहकारी समितियों में महिलाओं की भागीदारी से उन्हें निर्णय लेने और नेतृत्व की भूमिकाओं में शामिल होने का अवसर मिलता है, जिससे उनकी सामाजिक स्थिति में सुधार होता है।
- राजनीतिक सशक्तिकरणः सहकारी समितियों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से उन्हें स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्माण में अपनी आवाज उठाने का अवसर मिलता है।
- शिक्षा और स्वास्थ्यःसहकारी समितियाँ महिलाओं को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच प्रदान करती हैं, जिससे उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।
- निष्कर्ष : सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बदलाव लाने और महिलाओं के सशक्तिकरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सहकारी समितियों के माध्यम से, महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत बन सकती हैं, अपने कौशल विकसित कर सकती हैं, और सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बन सकती हैं।

स्वयंसहायता समूह बनाकर बनें आत्मनिर्भर

शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय खरखौदा में आउटरीज समिति तथा हरकोफैड के सहयोग से चल रहे पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का मंगलवार को सम्पन्न हो गया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती सुमन बल्हारा अतिरिक्त रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां रही। जिन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि कैसे स्वयं सहायता समूह बनाकर आत्मनिर्भर बन सकते है और विभिन्न सहकारी योजनाओं का कैसे लाभ उठा सकते हैं। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. तराना नेगी ने आउटरीच कार्यक्रम इंचार्ज डॉ. किरण सरोहा को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार का कार्यक्रम किसी भी कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए किया गया प्रथम प्रयास है, जो कि विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया जाना चाहिए। जिससे आस–पास के गांव के लोगों तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के छोटे उद्योगों से जोड़ा जा सकता है, जो उनकी आर्थिक उन्नति में सहायक होगा। स्वयं सहायता समूह से पहुंची प्रशिक्षक रेखा वशिष्ठ का भी धन्यवाद किया। प्रशिक्षक रेखा ने छात्र–छात्राओं को अचार, मुरब्बा, आंवला कैंडी बनाने का प्रशिक्षण दिया।

स्वदेशी : संकल्प से समृद्धि

-योगेश शर्मा, प्रबन्ध निदेशक, हाउसफैड
मो. 9467523666

स्वदेशी : संकल्प से समृद्धि माननीय प्रधानमंत्री स्वदेशी के विषय पर अनेक मंचों से कई बार आहवान करते रहें हैं। मन की बात कार्यक्रम में श्री अरविंदो को उदघृत करते हुए उन्होंने स्वदेशी को मिशन के तौर पर अपनाने का आहवान भी किया था। स्वदेशी के संदर्भ में मूल भाव यह है कि यथासंभव स्वदेशी उत्पाद खरीदने से भारतीय पूंजी देश में रहेगी जिससे निवेश व रोजगार बढेगा जो अंतत्वोत्वा अनेक समस्याओं को कम करेगा व भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार करेगा। **हिन्दुस्तान यूनीलीवर एक एंग्लो डच** कंपनी है जो भारत में वार्षिक लगभग 62000 करोड़ रू के उत्पाद बेचती है। ब्रुक बोंड, किसान, नॉर, एक्टिव व्हील, रिन, सर्फ, विम, क्लिनिक प्लस, क्लोज अप, डॅव, लेक्मे, लाइफब्याय, लिरिल, लक्स, पियर्स, पेप्सोडेंट, पॅान्डस, रेक्सोना, सनसिल्क, वेसलीन सहित अनेक उत्पाद एंग्लो डच कंपनी हिन्दुस्तान यूनिलीवर के हैं।

दूसरी तरफ भारतीय कंपनियाँ भी इन्हीं श्रेणियों में उत्पाद बनाती हैं उदाहरणतया बजाज (जमनालाल बजाज), केविन केयर (सी के रंगनाथन), डाबर (बर्मन परिवार), इमामी (अग्रवाल व गोयंका), गोदरेज, आई टी सी (संजीव पुरी), ज्योती लैब्स (राम चंद्रन), मेरिको (हर्ष मेरीवाला), श्री चिंतामणी गृह उद्योग, विप्रो आदि।

Indian Companies	Brands of Indian Companies
Bajaj (Jamnalal Bajaj)	Auto, Home appliances, Electrical, Oils, HIT, Cinthol, aeir, Good night, Ezee
Cavin Kare (C K Rangnathan)	Chik Shampoo, Nyle Herbal Shampoo, Perfume Spinz, IndicaHair Dye, Fairever Fairness cream
Dabur: (Burman Family)	Babool, Promise, Meswak, Real juice, Badshah Masala, Hajmola, Vatika, Home care: Sanifresh toilet cleaner, Odonil, Odomos, Honitus, Sanifresh
Emami : R S Aggarwal & R S Goenka	Boroplus, Navratna, Fair and Handsome, Zandu Balm, Mentho Plus Balm, Kesh King, HE Deo, Dermicool, Fast Relief
Godrej	Good Knight, Aer, HIT, Ezee, Godrej No. 1, Cinthol, Fairglow, Protekt, Oils, Shikakai, Genteel Liquid detergent
ITC: Sanjiv Puri	Aashirwad, Fiama, Di Wal ls, Savlon, Classmate, Sunfeast, Bingo, Yippie, B Natural, Mint-O, Candyman, Charmis, Engage, Superia Nimyle, Nimwash, Vivel, Shower to Shower:
Jyothy Labs MP Ramchandarn:	Maxo mosquito repellent, Prill, Mr. White, Ujala - Fabric care, Henko, Exo Dishwash, Margo Soap, Neem Soap, Fa soap
Marico Harsh Mariwala:	Nihar, Saffola, Parachute, Sweekar Sunflower oil, Set Wet, Livon, Revive Fabric care
Wipro (Azeem Premji):	Safewash, Giffy Dishwash, Max kleen Floor Cleaner, Chandrika, Santoor, Yardley, Softtouch, Wipro garnet LED Lights, Aramusk Male Grooming

भारतीय उद्योग, विदेशी कंपनीयों की तुलना में सामान्यत अधिक रोजगार उपलब्ध कराते हैं। उदाहरणतया टाटा कंपनी दस लाख लोगों को रोजगार देती है जबकि हिन्दुस्तान यूनीलिवर मात्र 27000 लोगों को रोजगार देती है जिसमें 20000 श्रमिक हैं। विकसित भारत के निर्माण हेतु स्वदेशी कंपनियों के उत्पादों की खरीद में प्राथमिकता देनी चाहिए। नवीनतम स्थिति सत्यापित करने का अनुरोध है।

सिद्धार्थ शंकर शर्मा (सलाहकार, सहकारिता विभाग हरियाणा) प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय से सहकारिता में पीएचडी की उपाधि से सम्मानित

प्रसिद्ध नीति सलाहकार और व्यवसायिक नेता सिद्धार्थ शंकर शर्मा को केनेडी विश्वविद्यालय से सहकारिता में डॉक्टरेट (P.hD) की उपाधि प्रदान की गई है। 24 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, उन्होंने निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों में सहकारी नीतियों को आकार देने, स्टार्ट–अप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने और भारत व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए व्यावसायिक अवसर उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उनके डॉक्टरेट शोध ''सतत विकास के लिए सहकारी संस्थाएँ'' में सहकारी संस्थानों की समावेशी आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का विश्लेषण किया गया है। उनका अध्ययन दर्शाता है कि सहकारी संस्थाएँ कैसे स्थायित्व, वित्तीय समावेशन और सामुदायिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में सहायक हो सकती हैं, विशेष रूप से भारत जैसे उभरते हुए देशों में।

वर्तमान में, शर्मा हरियाणा सरकार के सहकारिता विभाग में सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं और इससे पहले वे पंजाब सरकार के लिए भी इसी भूमिका में

योगदान दे चुके हैं। सिंगापुर, चीन, मलेशिया, हांगकांग, थाईलैंड और यूएई जैसे देशों में उनके व्यापक अंतरराष्ट्रीय अनुभव ने उनकी वैश्विक सहकारी संरचना की समझ को और मजबूत किया है।

यह शैक्षणिक उपलब्धि उनके शानदार करियर में एक और उपलब्धि जोड़ती है और उनके सहकारी आंदोलनों और सतत आर्थिक मॉडल को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाती है।

हरकोफैड द्वारा कर्मचारी कक्षा आयोजन

रोहतक :– 20 मार्च 2025, हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि0 (हरकोफैड) पंचकूला द्वारा सहकारी वीटा प्लांट जिला रोहतक व प्रांगण में श्री चरण सिंह मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीटा प्लांट रोहतक की अध्यक्षता में एक कर्मचारी कक्षा का आयोजन किया। कार्यक्रम का आरम्भ करते हुए श्रीमती अर्चना देवी शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड रोहतक ने सभी का अभिवादन करते हुए, कार्यक्रम की गतिविधियों बारे बताते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उपस्थित कर्मचारी बन्धुओं को सहकारी समितियों की उपयोगिता, महता व आवश्यकता बारे समझाते हुए कहा कि इन समितियों की आवश्यकता क्यों पडी व इन समितियों के विकास में कर्मचारी व अधिकारी वर्ग की कितनी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने सभी कर्मचारी बन्धुओं से ईमानदारी, मेहनत, लग्न व समयबद्धता के साथ काम करने का आग्रह किया उन्होंने प्राधनमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पैंशन बीमा योजना, फसल बीमा योजना जल संचय बारे विस्तार से समझाते हुए इन योजनाओं से जुड़ने का आग्रह किया।

श्री दयानन्द ए.एस.आई. साईबर काईम रोहतक ने अपने सम्बोधन में मोबाईल से सम्बन्धित वाटसप, जीमेल, इंस्टाग्राम, फेसबुक इत्यादि से परैक्टीकल जानकारी दी जो कर्मचारियों ने बड़ी ही शलिनता के साथ सुना और अपने अपने मोबाईल में जानकारियां सुरक्षित करी और बताया कि फोन हैगिंग से कैसे सावधानी रखे।

श्री सुधीर कुमार प्राध्यापक सी.सी.एम. रोहतक ने अपने योग्यताओं बारे विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि सेवाभावी, निस्वार्थी चरित्रवान, धैर्यवान, ज्ञानवान, विचार एवं लक्ष्य की स्पष्टता व लचीलापन इत्यादि जैसे गुणों के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने प्रबन्धक कमेटी के कार्यों बारे इत्यादि से समझाते हुए कहा कि किसी भी सहकारी समिति में किसी कर्मचारी की भर्ती पर किन–किन बातों का ध्यान व सावधानियां बरतनी चाहिए। उन्होंने समिति के उपनियम के अनुसार कार्य करने का आग्रह किया।

श्री संन्दीप कुमार इन्चार्ज प्रक्योरमैन्ट वीटा प्लांट रोहतक ने अपने सम्बोधन में वीटा प्लांट की वर्तमान में उत्पादक क्षमता 4.5 लाख लीटर प्रतिदिन बताई और प्लांट में 2 लाख लीटर दूध प्रतिदिन आ रही है। रोहतक सर्कल में 600 समितियां दूध एकत्र करती है। रोहतक वीटा के डेयरी उत्पादों को लेकर आम से खास का विश्वास बना है यही वजह है कि प्लांट से सेन से लेकर मिड डे मिल व आंगनवाड़ी योजना व खेल योजनाओं के तहत बच्चों व खिलाडियों को दूध की आपूर्ति होती है। यह प्लांट एफ.सी. एम.टोंड दूध, डबल टोंड दूध की आपूर्ति दूध संयंत्र के कार्यक्षेत्र में आने वाले सभी शहरों में कर रहा है। दुग्ध संघ रोहतक अपने दुग्ध उत्पादकों के लिए दुर्घटना बीमा, कन्यादान राशि, छात्रवृति योजना आदि की क्रियान्वित कर रहा है दुग्ध उत्पादकों को मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के तहत प्रोत्साहन योजना के तहत प्रोत्साहन राशि भी प्रदान राशि भी प्रदान की जाती है और वीटा गृहणी स्कीम भी चला रखी है।

श्रीमती मिथलेस नेहरू युवा केन्द्र की निदेशिका ने अपने सम्बोधन में बैंक द्वारा दी जा रही विभिन्न ऋण स्कीमों की जानकारी देते हुए इस स्कीमों का कैसे लाभ लिया जा सकता है बारे में समझाया। उन्होंने बच्चों को गुडपे मास्टर बनने हेतू प्रेरित किया। कर्मचारी बन्धुओं को रिकार्ड रखरखाव सहकारी नियम अधिनियम व समिति उप नियम के दायरे में रहकर कार्य करने का सुझाव दिया। हरियाणा कौशल रोजगार निगम बारे कर्मचारियों व उनके कर्तव्य के बारे में जानकारी दी।

डॉ. विश्वबन्धु शर्मा पूर्व प्राध्यापक ने अपने सम्बोधन में कर्मचारी बन्धुओं को रिकार्ड रखरखाव नियम अधिनियम व समिति उप नियम के दायरे में रखकर कार्य करने का सुझाव दिया और सहकारिता पर जोर देते हुए बताया कि हम सब को एक संघ रहकर ही काय्र करना चाहिए चाहे कार्यालय हो या स्वयं का कोई रोजगार इत्यादि।

हरकोफैड द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

7 मार्च 2025 खरखोदा सोनीपत : हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि0 (हरकोफैड), पंचकूला द्वारा ''सहकारिताओं द्वारा युवा उत्थान'' विषय पर शहीद दलबीर सिंह राजकीय कॉलेज, खरखोदा, सोनीपत में जिला स्तरीय सहकारी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. तराना नेगी प्राचार्य महाविद्यालय कार्यक्रम मुख्य अतिथि के तौर पर व डॉ. किरन सरोहा प्राध्यापक अध्यक्ष के तौर पर श्रीमती अर्चना देवी शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड सोनीपत, आयोजक अधिकारी के तौर पर उपस्थित थे।

निर्णायक मंडल सदस्यों में डॉ. किरण सरोहा प्राध्यापक, डॉ. रजनीश कुमारी प्राध्यापक, डॉ. कीर्ति प्राध्यापक ने प्रतियोगिता का परिणाम तैयार किया।

आयोजक अधिकारी, श्री ऋषिपाल, सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी, हरकोफैड ने अपने सम्बोधन में हरकोफैड की गतिविधियों पर प्रकाश डाला, कार्यक्रम के उद्देश्य बारे बताया उन्होंने युवाओं को सहकारी समिति रजिस्ट्रड करवाने, सहकारी समितियों के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किए जाने बारे बताते हुए सहकारी आन्दोलन से जुडने का आग्रह किया तथा स्वरोजगार अपनाने व रोजगार देने वाले, बनने हेतु प्रेरित किया।

डॉ. तराना नेगी प्राचार्य मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए सभी प्रतियोगियों को ऐसी प्रतियोगिताओं में रूचिपूर्वक, उत्साह व फूल तैयारी के साथ बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित उन्होंने सभी विद्यार्थियों से कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से आपके कौशल में

विकास होता है व प्रतिभा निखरती है, कार्यक्रम आयोजन हेतु हरकोफैड व अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

- प्रथम पुरस्कार 1500 रूपये नकद, स्मृत चिन्ह, प्रमाण – पत्र, प्राची हिन्दु कन्या महाविद्यालय सोनीपत
- द्वितीय पुरस्कार, 1100 रूपये नकद, स्मृत चिन्ह, प्रमाण – पत्र, नीशू एस.डी.एस.राजकीय कालेज खरखोदा
- तृतीय पुरस्कार, 700 रूपये नकद, स्मृति चिन्ह, प्रमाण – पत्र, शिपरा सी.आर.ए. कालेज सोनीपत
- प्रोत्साहन पुरस्कार, 500 रूपये नकद, स्मृति चिन्ह, प्रमाण – मयंक शिवकरन बी.एड.कालेज मटींडू
- प्रोत्साहन पुरस्कार 500 रूपये नकद, स्मृति चिन्ह, प्रमाण – पत्र, जोगिता जी.सी. जाखोली
- प्रोत्साहन पुरस्कार, 200 रूपये नकद, स्मृति चिन्ह, प्रमाण – पत्र, ललीता टी.डी.एल.जी.सी.डब्लू मुरथल सोनीपत
- प्रोत्साहन पुरस्कार, 200 रूपये नकद, स्मृति चिन्ह, प्रमाण – पत्र, दीक्षा कन्या महाविद्यालय ।

कहानी

खुशी के लिए, गम छिपाना सही

कुछ दिन पहले ही तो देखा था उसे, आस–पास बने सभी मकानों का जायजा लेते हुए। गोल–गोल घूमती चमकदार आंखें सहसा हमारे घर पर आकर ठहर सी गई थीं। म्याऊं–म्याऊं का उठता स्वर, कोई ऐलान था या फिर मेरे लिए एक खास पैगाम। सच कहूं तो इसका अंदाजा उस दिन तो बिल्कुल भी न लगा पाई थी मैं, शायद आज भी यह मुमकिन न होता, अगर अप्रत्याशित रूप से एकाएक मेरे सामने आकर वह मुझे यूं चौंका न देती।

छत पर रखे पौधों को सींचने की मंशा से आगे बढ़ते मेरे पांव सहसा ठिठक गए। अरे! यह तो वही बिल्ली है, श्वेत–श्याम धारियों के मध्य बने भूरे रंगीन गोल घेरे ने झट से मुझे उसके द्वारा घर का मुआयना किए जाने की घटना स्मरण करा दी। मिऊं, मिऊं, नन्हे– नन्हे संयुक्त स्वरों ने मेरा ध्यान खींचा। अच्छा! तो, ये बात थी, आश्चर्य मिश्रित हर्ष ने मुझे भावविभोर कर दिया।

म्याऊं ! म्याऊं !, बिल्ली के सुदृढ़ स्वर में मातृ सशक्तता का पुट स्पष्ट महसूस किया जा सकता था, एक ममतामयी मां की सख्त चेतावनी थी, आगे न बढ़ने की। वैसे वाजिब ही तो था उसका आदेश, मां होने के नाते बखूबी समझ सकती थी मैं। मेरे चेहरे पर मुस्कान उभर आई, घबराओ मत, तुम्हारे बच्चों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाऊंगी, बड़े वाले गमले के पीछे से झांकती दो नन्हीं आकृतियों की ओर देखते हुए, आंखों ही आंखों में बिल्ली को भरपूर आश्वासन दिया था मैंने, जल्द ही मेहमान नवाजी का सिलसिला भी दूध–रोटी के प्रबंध सहित आरम्भ हो गया। अपनत्व भला भाषा अथवा वर्ग का मोहताज कहां होता है? हृदय से हृदय के तार जुड़ जाएं तो मौन स्वयमेव मुखरित होने लगता है। संवाद के अभाव में भी सद्भावनाएं स्वतः ही परिचालित एवं सम्प्रेषित होने लगती हैं।

हमारा परिचय प्रगाढ़ता में परिवर्तित होने लगा। मेरे तीन वर्षीय बेटे के सौजन्य से बिल्ली तथा उसके बच्चों की नामकरण प्रक्रिया भी सम्पन्न हो गई। बिल्ली अब मानो बन गई और बच्चों को शारीरिक सौष्ठव एवं प्रवृत्ति के ही अनुरूप नाम मिला, गोलू और भोलू।

गोलू एकदम तेज–तर्रार और फुर्तीला, बिल्कुल अपनी मां की माफिक, वहीं भोलू एकदम उसके विपरीत सुस्त और ढीला–ढाला, सिवाय उन पलों के, जो मेरे नन्हे अभिनव के साथ रबर की गेंद लुढ़काने में बीतते। वो दुर्भाग्यपूर्ण दिन शायद न ही आता, यदि उस दिन अचानक मुझे काम से बाहर न जाना पड़ता। वापिस आई तो अनहोनी नन्हे भोलू को अपनी चपेट में ले चुकी थी, शायद कोई क्रूर बिलाव बनकर आई होगी या फिर....? अंदाजा लगाना अब व्यर्थ जान पड़ा। छत के दूसरे हिस्से में भोलू निष्प्राण पड़ा था।

म्याऊं, म्याऊं करती, मानो का करुण क्रंदन मुझे व्यथित कर रहा था। उस विकट परिस्थिति में वहां उपस्थित न होने का मलाल, भीतर ही भीतर कचोटे जा रहा था। सफाईकर्ता के सहयोग से भोलू की निर्जीव देह को दफनाने का इंतजाम किया गया।

इस दुःखद घटना का सब पर गहरा प्रभाव पड़ा। मानो अब पहले से कहीं अधिक सर्तक हो गई थी, गोलू को एक पल के लिए भी आंख से ओझल न होने दे रही थी। गोलू भी तनिक सहमा सहमा मां के इर्द–गिर्द ही घूमता रहा। दैहिक नश्वरता के शाश्वत सत्य से अनजान, अभिनव अचानक अपने एक साथी के गायब होने पर बेहद उदास था। अपने प्रिय भोलू के एकाएक अनुपस्थित होने का कारण जानने संबंधी उसकी उत्सुकता मुझ पर भारी पड़ती प्रतीत हुई। अभिनव की जिज्ञासा एवं वय के आधार पर संवेदनात्मक विषय को काल्पनिकता का पुट देना ही उचित उपाय जान पड़ा। मानो ने पूरा दिन दूध–रोटी को मुंह तक न लगाया। बार–बार उसी स्थान पर जा बैठती, जहां उसके जिगर के टुकड़े ने दम तोड़ा था। भारी मन से उसे उठाने और खिलाने–पिलाने का प्रयत्न करती तो म्याऊं, म्याऊं करते हुए मुंह फेर लेती। शायद अब भी मेरा प्रयास नाकाम सिद्ध हो जाता, अगर नन्हा अभिनव मानो को दूध पिलाने की जिद पर अडिग न रहता।

मानो बिल्ली ! प्लीज पी लो न दूध, मम्मा कहती हैं.. भोलू के पापा जल्द ही उसे ननिहाल से वापिस ले आएंगे। चलो, चलो, पियो, अच्छे बच्चे कहना मानते हैं। बड़े दुलार से मानो के सिर को सहलाते हुए उसने मेरे द्वारा अक्सर कही जाने वाली बातें अक्षरशः दोहरा दीं। मानो की ओर से कोई विशेष प्रतिक्रिया न मिलने पर बालमन रुआंसा– साहो उठा। लेकिन इससे पूर्व कि बनते–बिगड़ते मासूम चेहरे से आंसू टपक पाते.. एकाएक जैसे कोई चमत्कार हो गया हो, हल्का–सा निकालकर, स्वीकृति की मुद्रा में दुम हिलाती मानो चुपचाप दूध पीने लगी। होहोहो ! मारे खुशी के तालियां पीटते नन्हे अभिनव के उल्लसित स्वर में गोलू की उछलकूद भी शामिल हो गई। बच्चों की खुशी के लिए गम छिपाना सही रहा।

क्या हुआ जो देह भिन्न हैं, भावनाएं तो वही हैं। बच्चे का उदास चेहरा न देख पाई, आखिर है तो मां ही न? मेरी आंखें सजल हो उठीं। शिशु के स्नेह ने मां को मना ही लिया।

–अरमान हरियाणवी (करनाल)

NANO TECHNOLOGY
NANO UREA & DAP
SAHKAR SE SAMRIDDHI
Aatmanirabhar Bharat, Aatmanirbhar Krishi
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
IFFCO NANO UREA Plus
and
IFFCO NANO DAP
Promises
More Yield And More Profit
World's First Nano Fertilizer by IFFCO
500 ML Bottle ₹225/- only
500 ML Bottle ₹600/- only
Contains 20% NITROGEN
FREE ACCIDENT INSURANCE
IFFCO Nano UREA Plus Liquid
IFFCO Nano DAP Liquid
IFFCO
NANO UREA PLUS
NANO UREA LIQUID (16%N w/w) (20%N w/v)
Chlorophyll Charger
Yield Booster
Climate Smart Farming
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
NANO DAP
Nano Di Ammonium Phosphate
LIQUID (8:16:0)
CROP NUTRITION REDEFINED
Seed Primer | Growth Enhancer | Yield Booster
Less Cost, More Profits
Suitable for all Crops
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED
IFFCO Sadan, C-1 District Centre, Saket Place, New Delhi - 110017, INDIA
Phones: 91-11-26510001, 91-11-42592626. Website: www.iffco.coop

माननीय विधान सभा हरियाणा अध्यक्ष श्री हरविंदर कल्याण जी के निवास पर आयोजित रात्रि भोज में माननीय सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा महामहिम राज्यपाल हरियाणा श्री बंडारू दत्तात्रेय एवं महामहिम राज्यपाल पंजाब श्री गुलाब चंद कटारिया जी का पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन करते हुए। साथ में माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी एवं विधान सभा अध्यक्ष श्री हरविंदर कल्याण जी ।

दिनांक 31 मार्च 2025 हरकोप्रैस में मशीन मेन (ऑटो) श्री सतीश कुमार अपनी 37 वर्ष की नौकरी उपरांत सेवानिवृत हुए। इस अवसर पर हरकोफैड के प्रबंध निदेशक श्री नरेश गोयल जी एवं हरकोप्रैस सभी साथी कर्मचारियों ने उन्हें यादगार विदाई दी एवं भविष्य के लिए मंगलकामनाएं प्रेषित की।

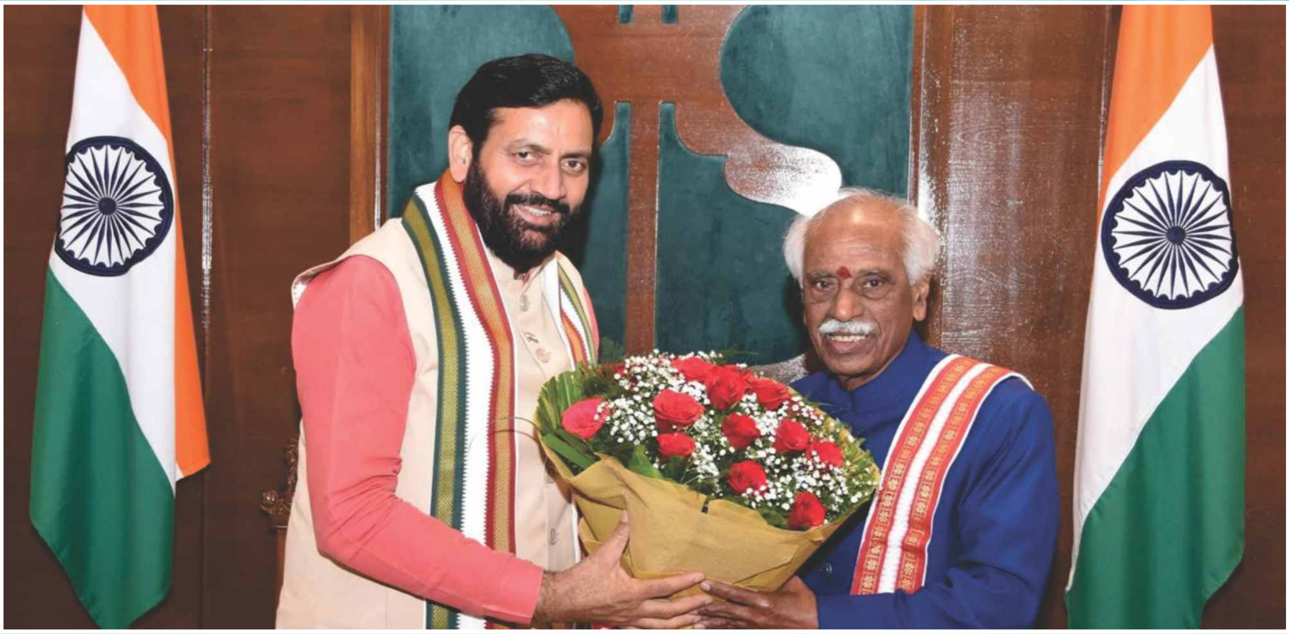

माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी राजभवन हरियाणा में रात्रि भोज के दौरान महामहिम राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय जी का पुष्पगुच्छ देकर अभिवादन करते हुए।

नशे के विरुद्ध अभियान के खिलाफ एकजुटता के साथ सोनीपत हाफ मैराथन में युवाओं को नशे से बचाने व अच्छे स्वास्थ्य की दिशा दिखाने का संदेश देते माननीय मुख्यमंत्री, श्री नायब सिंह सैनी, साथ में सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा व अन्य वरिष्ठ नेता।

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264